

अनामिका



समकालीन हिंदी कविता में अपनी एक अलग पहचान रखनेवाली कवयित्री अनामिका का जन्म 17 अगस्त 1961 ई० में मुजफ्फरपुर, बिहार में हुआ। उनके पिता श्यामनन्दन किशोर हिंदी के गीतकार और बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष थे। अनामिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम० ए० किया और वहीं से पीएच० डी० की उपाधि पायी। सम्प्रति, वे सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में प्राध्यापिका हैं।

अनामिका कविता और गद्य लेखन में एकसाथ सक्रिय हैं। वे हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लिखती हैं। उनकी रचनाएँ हैं - काव्य संकलन : 'गलत पते की चिट्ठी', 'बीजाक्षर', 'अनुष्ठुप' आदि; आलोचना : 'पोस्ट-एलिफ्ट पोएट्री', 'स्त्रीत्व का मानचित्र' आदि। संपादन : 'कहती हैं औरतें' (काव्य संकलन)। अनामिका को राष्ट्रभाषा परिषद् पुरस्कार, भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार, गिरिजा कुमार माथुर पुरस्कार, ऋतुराज साहित्यकार सम्मान आदि प्राप्त हो चुके हैं।

एक कवयित्री और लेखिका के रूप में अनामिका अपने वस्तुपरक समसामयिक बोध और संघर्षशील वर्चित जन के प्रति रचनात्मक सहानुभूति के लिए जानी जाती हैं। स्त्री विमर्श में सार्थक हस्तक्षेप करने वाली अनामिका अपनी टिप्पणियों के लिए भी उल्लेखनीय हैं।

प्रस्तुत कविता समसामयिक कवियों की चुनी गई कविताओं की चर्चित शृंखला 'कवि ने कहा' से यहाँ ली गयी है। प्रस्तुत कविता में बच्चों के अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया के कौतुकपूर्ण वर्णन-चित्रण द्वारा कवयित्री गंभीर आशय व्यक्त कर देती हैं।

अक्षर-ज्ञान

चौखटे में नहीं अँटता
बेटे का 'क'
कबूतर ही है न -
फुदक जाता है जरा-सा !
पंक्ति से उतर जाता है
उसका 'ख'
खरगोश की खालिस बेचैनी में !
गमले-सा टूटता हुआ उसका 'ग'
घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ'
'ङ' पर आकर थमक जाता है
उससे नहीं सधता है 'ड' ।
'ड' के 'ड' को वह समझता है 'माँ'
और उसके बगल के बिंदु (·) को मानता है
गोदी में बैठा 'बेटा'
माँ-बेटे सधते नहीं उससे
और उन्हें लिख लेने की
अनवरत कोशिश में
उसके आ जाते हैं आँसू ।
पहली विफलता पर छलके ये आँसू ही
हैं शायद प्रथमाक्षर
सृष्टि की विकास-कथा के ।

बोध और अभ्यास

कविता के साथ

1. कविता में तीन उपस्थितियाँ हैं। स्पष्ट करें कि वे कौन-कौन सी हैं ?
2. कविता में 'क' का विवरण स्पष्ट कीजिए।
3. खालिस बेचैनी किसकी है ? बेचैनी का क्या अभिप्राय है ?
4. बेटे के लिए 'डू' क्या है और क्यों ?
5. बेटे के आँसू कब आते हैं और क्यों ?
6. कविता के अंत में कवयित्री 'शायद' अव्यय का क्यों प्रयोग करती हैं ? स्पष्ट कीजिए।
7. कविता किस तरह एक सांत्वना और आशा जगाती है ? विचार करें।

8. व्याख्या करें -

“गमले-सा टूटता हुआ उसका 'ग'
घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ'”

कविता के आस-पास

1. कवयित्री बिहार की हैं। शिक्षक की सहायता से बिहार की अन्य समसामयिक कवयित्रियों की सूची तैयार करें।
2. अपने संपर्क के किसी एक शिशु को अक्षर-ज्ञान कराएँ और उस दौरान के अपने अनुभव के आधार पर एक टिप्पणी लिखें।

भाषा की बात

1. निम्नांकित भिन्नार्थक शब्दों के वाक्य-प्रयोग करते हुए अर्थ स्पष्ट करें -

चौखटा-चोखट, बेटा-बाट, खालिस-खलासी-खलिश, थमना-थमकना-थामना, सधना-साधना-साध, गोदी-गद्दी-गाद, कोशिश-कशिश, विफलता-विकलता

2. कविता में प्रयुक्त क्रियापदों का चयन करते हुए उनसे स्वतंत्र वाक्य बनाएँ।

3. निम्नांकित के विपरीतार्थक शब्द दें -

बेटा, कबूतर, माँ, उतरना, टूटना, बेचैनी, अनवरत, आँसू, विफलता, प्रथमाक्षर, विकास-कथा, सृष्टि